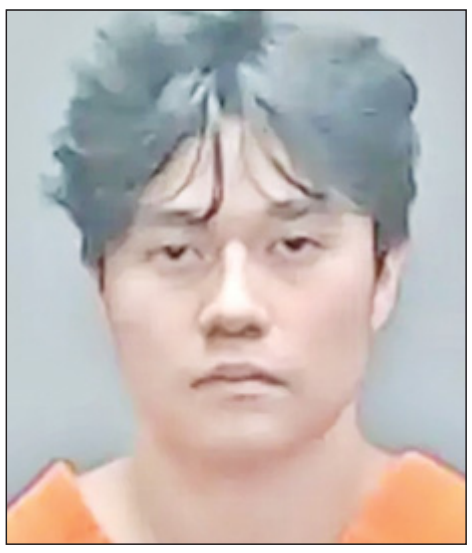

# अमेरिका में किशोर ने की अपने ही परिवार हत्या की : इनमें 5 साल का भाई भी शामिल, आरोपी बोला– वो नरभक्षी थे, मुझे खाना चाहते थे

**टेक्सास।**

अमेरिका के टेक्सास में एक 18 साल के किशोर सीजर ओलेड ने अपने मां-बाप और भाई-बहनों की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, पूछताछ के दौरान उसने बताया कि उसके परिवार के लोग नरभक्षी थे और उसे खाने की प्लानिंग कर रहे थे। टेक्सास के नाश शहर में पुलिस को सूचना मिली थी कि एक किशोर ने अपने घर में परिवार वालों को बंदी बना रखा है। परिवार के सदस्यों की हत्या के बाद आरोपी ने खुद फोन करके पुलिस को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ओलेड को सरेंडर करने के लिए कहा। इसके बाद घर में जाने पर उन्हें 4 शव मिले। इसमें ओलेड के माता-पिता, बड़ी बहन और 5 साल के एक भाई का शव शामिल था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने परिवारों वालों पर कई बार गोली चलाई। इसके बाद वो शवों को खींचकर बाथरूम तक ले गया। पूरे घर में कई जगहों पर खून था।

**आरोपी ने परिवार को बंदी बनाया था** – पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी सीजर ओलेड की मां लिसबेट ओलेड काम पर नहीं गईं थी। इस वजह से उनके साथ काम करने वाले जोसफ फ्लाइडर उनके घर हालचाल लेने पहुंचे। यहां उन्हें दरवाजा खटखटाने पर कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद ओलेड के परिवार का एक सदस्य भी वहां आया। दोनों लोग जबरदस्ती घर में दाखिल हुए तो देखा कि सीजर ने अपने पूरे परिवार को बंदी बना रखा है। उसने घर आए लोगों को भी जान से मारने की धमकी दी। सीजर लगातार अपने घरवालों को नरभक्षी बता रहा था। इसके बाद फ्लाइडर ने पुलिस को मामले की सूचना दी। आरोपी सीजर को 82.5 करोड़ रुपए के बॉन्ड पर जेल भेजा गया है। उसके पड़ोसी रॉबर्ट वॉर्ड ने बताया कि ओलेड फैमिली के लोग काफी खुशहाल और मेहनती थे। उनकी बेटी लिसबेट ने हाल ही में अपना ग्रैजुएशन पूरा किया था। आरोपी सीजर भी बहुत अच्छा लड़का था और वो प्लम्बर बनने के लिए एक ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने वाला था।

**4 महीनों में 200 मास शूटिंग की घटनाएं** – गन वायलेंस आर्काइव के मुताबिक, इस साल अमेरिका में 200 से ज्यादा मास शूटिंग की घटनाएं हुई हैं। 2006 से लेकर अब तक अमेरिका में सामूहिक हत्या के 556 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें करीब 2,892 लोगों की जान गई है। पिछले 2 दशकों में औसत हर साढ़े तीन हफ्ते में ऐसा एक मामला सामने आता है।

**अमेरिका की आबादी 33 करोड़ और यहां 40 करोड़ गन** – नागरिकों के बंदूक रखने के मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। स्विट्जरलैंड के स्मॉल आर्म्स सर्वे यानी एसएएस की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में मौजूद कुल 85.7 करोड़ सिविलियन गन में से अकेले अमेरिका में ही 39.3 करोड़ सिविलियन बंदूक मौजूद हैं। दुनिया की आबादी में अमेरिका का हिस्सा 5प्रतिशत है, लेकिन दुनिया की कुल सिविलियन गन में से 46प्रतिशत अकेले अमेरिका में हैं। अक्टूबर 2020 के गैलप सर्वे के मुताबिक, 44प्रतिशत अमेरिकी वयस्क उस घर में रहते हैं, जहां बंदूकें हैं, इनमें से एक तिहाई वयस्कों के पास बंदूकें हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### नेपाल में लग रहे कयास, प्रधानमंत्री दहल की भारत यात्रा के दौरान कौन-कौन से होंगे समझौते?

**काठमांडो।** नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की भारत यात्रा की जारी तैयारियों के बीच यह खबर है कि

उस दौरान होने वाले समझौतों के बारे में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बातचीत शुरू हो गई है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बातचीत के बाद जारी होने वाली साझा विज्ञप्ति के मसौदे पर भी चर्चा चल रही है। अब मिली सूचना के मुताबिक दहल की नई दिल्ली यात्रा के कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया गया है। दहल 31 मई से तीन जून तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। नेपाल के विदेश मंत्री एनपी सउद ने बातचीत में कहा कि भारत जाने वाले प्रतिनिधिमंडल को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसमें कितने लोग जाएंगे, इस बारे में अभी विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने बताया कि दहल की यात्रा के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के सिलसिले में नई दिल्ली स्थित नेपाली राजदूत शंकर शर्मा ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। नेपाल सरकार के उच्चपदस्थ सूत्रों ने बताया है कि दहल की यात्रा के दौरान कई समझौते और सहमति पत्रों पर दस्तखत होंगे। एक जून को दहल और प्रधानमंत्री मोदी के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। जिन समझौतों पर दस्तखत होंगे, उनमें एक का संबंध डिजिटल पेमेंट के ऐसे सिस्टम से है, जिससे ई-वॉलेट का इस्तेमाल करते हुए एक से दूसरे देश में भुगतान किया जा सकेगा। इसके अलावा दो पुल बनाने संबंधी प्रस्तावित करार पर भी सहमति बन चुकी है। नेपाल के अधिकारियों ने कहा है कि नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता के दौरान सीमा विवाद पर भी चर्चा होगी। प्रधानमंत्री दहल के एक सहयोगी ने काठमांडू पोस्ट से कहा- 'सबसे पहले इस मुद्दे पर राजनीतिक स्तर पर वार्ता होगी और उसके बाद विवाद को हल करने के लिए किसी अन्य समिति को इसे सौंप दिया जाएगा। संभव है कि यह समिति विदेश सचिव स्तर या उससे निम्न स्तर की हो। लेकिन दहल की इस यात्रा के दौरान सीमा विवाद पर चर्चा अवश्य होगी।

### नासा का मंगल पर रहने वाला घर तैयार, इसमें एक साल बिताएगी ये कनाडाई महिला

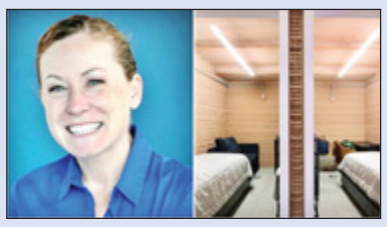

**वाशिंगटन।** मंगल ग्रह पर इंसानों को बसाने की योजना पर काम शुरू हो गया है। अगर सब कुछ सही रहा तो अगले सात साल यानी 2030 तक वहां पर इंसानों को भेजा जाएगा। मंगल ग्रह पर इंसान कैसे रह पाएंगे, इसी को लेकर एक ट्रायल शुरू किया जा रहा है। इसके लिए नासा ने चार लोगों को चुना है, जिसमें कनाडाई जीवविज्ञानी केली हेस्टन भी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर में एक घर तैयार किया गया है। इसमें चार लोगों के रहने की व्यवस्था है। इस घर को मंगल ग्रह के हालात जैसा बनाया गया है। केली जल्द ही इस घर में रहने वाली हैं। वे यहां पर ट्रेनिंग लेंगी और करीब एक साल तक इसमें रहेंगी। इस दौरान वो ना बाहर आ पाएंगी और ना ही कोई उस घर में जा पाएगा। केली हेस्टन ने अपने अनुभव पर बात करते हुए कहा कि मैंने कभी बचपन से लेकर आजतक मंगल पर जाने का सपना नहीं देखा था। उन्होंने कहा कि कभी-कभी ये झूठ लगता है, लेकिन जब मैं इसके बारे में सोचती हूं तो मुझे हंसी आती है। उन्होंने आगे कहा कि मैं बहुत उत्साहित हूं और चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार हूं।

### विपक्षी नेता का दावा, पीएम मोदी से जलते हैं ऑस्ट्रेलियाई नेता, 20 हजार की भीड़ भी नहीं जुटा सकते

**सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)।** ऑस्ट्रेलिया में विपक्ष के नेता पीटर डटन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम लेकर सत्ताधारी

नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई राजनेता पीएम मोदी के जलते हैं। उन्होंने कहा कि वे इसलिए जलते हैं कि उनमें से कोई भी 20,000 लोगों को इकट्ठा करने और उनसे मोदी-मोदी उपनाम के जैसे नारे लगवाने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए भारतीय समुदाय के काम की सराहना की। ऑस्ट्रेलियाई संसद को संबोधित करते हुए नेता प्रतिपक्ष डटन ने कहा कि एक असाधाराण घटना हुई। उन्होंने कहा कि वहां राजनीति के दोनों पक्षों से बहुत सारे लोग उपस्थित थे, लेकिन मैंने प्रधानमंत्री से कहा कि पिछली रात वहां हर राजनेता इस बात से जल रहा था कि वह (पीएम मोदी) दुनिया के दूसरे कोने में भी 20,000 लोगों को इकट्ठा करने और उससे अपने उपनाम के नारे लगवाने में सक्षम थे। खासकर यह जलन लेबर पार्टी के नेताओं में था। उन्होंने कहा कि मुझे लगा कि यह एक असाधारण घटना थी और मैं वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी में भारतीय समुदाय के काम की सराहना करता हूं।

## इमरान की मेडिकल रिपोर्ट... यूरिन सैम्पल में शराब–कोकीन मिले

# 6 महीने प्लास्टर लगाकर घूमे, फ्रेक्चर तो दूर खरोंच तक नहीं निकली

**इस्लामाबाद।**

**पाकिस्तान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मेडिकल रिपोर्ट जारी कर दी है। खान को 9 मई को नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो यानी एनएबी ने 60 अरब रुपए के अल कादिर ट्रस्ट स्कैम में गिरफ्तार किया था। कस्टडी में लेने के बाद खान का मेडिकल टेस्ट कराया गया था। यह रिपोर्ट सामने आती, इससे पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने खान को तमाम केसों में जमानत दे दी थी। अब इस रिपोर्ट के कुछ हिस्से हेल्थ मिनिस्टर अब्दुल कादिर पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पढ़कर सुनाए।**

### यह रिपोर्ट क्यों अहम

इमरान खान के पाकिस्तान में दो हॉस्पिटल हैं। पहला- मां के नाम पर बनाया गया शौकत खानम कैंसर हॉस्पिटल। दूसरा- नमल हॉस्पिटल और रिसर्च सेंटर। दोनों ही हॉस्पिटल्स डोनेशन से बनाए गए, लेकिन इलाज सिर्फ अमीरों को मिलता है। ये काफी महंगे हैं।

2013 के बाद से अब तक खान के तमाम हेल्थ चेकअप शौकत खानम में ही होते हैं। पाकिस्तान के कानून के मुताबिक- अदालतें सिर्फ सरकारी हॉस्पिटल्स की रिपोर्ट ही मानती हैं। हैरानी की बात है कि इमरान ने सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स में अपने घरेलू हॉस्पिटल्स की रिपोर्ट्स पेश कीं और उन्हें जमानत भी मिल गई।

9 मई को जब एनएबी ने उन्हें गिरफ्तार किया तो पांच सीनियर डॉक्टर्स का एक पैनल बनाया गया। इसने खान के तमाम टेस्ट किए। खान तो सैम्पल देने के लिए भी तैयार नहीं थे। किसी तरह जब सैम्पल दिए तो कन्सेंट फॉर्म पर सिग्नेचर नहीं किए। हालांकि, जांच एजेंसी ने सबूत के तौर पर वीडियोग्राफी करा ली थी।

### हेल्थ मिनिस्टर बोले- फ्रैक्चर तो था ही नहीं

प्रेस कॉन्फ्रेंस में हेल्थ मिनिस्टर अब्दुल कादिर पटेल ने कहा- इमरान दावा करते रहे कि सात महीने पहले वजीराबाद में उन पर जानलेवा हमला हुआ था और इसमें उनके पैर में गोली लगी थी। वो 6 महीने तक जहां जाते थे, पैर में प्लास्टर लगाकर जाते। सीनियर डॉक्टर्स के पैनल ने जो रिपोर्ट दी है, उसमें फ्रैक्चर की बात तो दूर, खरोंच तक नहीं मिली।

पटेल ने आगे कहा- खान के यूरिन सैम्पल में शराब और कोकीन (टॉक्सिक सब्सटेंस) मिली है। सबसे हैरानी की बात यह है कि खान को मेंटली अनफिट बताया गया है। सोचिए यह शख्स हमारे मुल्क का करीब चार साल तक वजीर-ए-आजम रहा। खान की दिमागी हालत पर मेडिकल पैनल ने लिखा- मेंटल स्टेबिलिटी इज क्रेश्चेनेबल।

मीडिया के सवालों के जवाब में पटेल ने कहा- खान की मेडिकल रिपोर्ट इसलिए जारी की जा रही है, क्योंकि यह पब्लिक डॉक्यूमेंट है। नशे के आदी इस आदमी ने पाकिस्तान के युवाओं को भी गलत रास्ते पर डाल दिया। डॉक्टर्स ने साफ कहा है कि इमरान मेंटली फिट नहीं हैं।

### गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में हुई थी हिंसा

9 मई 2023 को इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से पाक रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था और घसीटते हुए ले गए थे। इससे भड़के इमरान समर्थकों ने जमकर हिंसा की और आर्मी से जुड़े कई ठिकाने तक जला दिए थे। हिंसा में 8 लोगों की मौत हुई थी। इमरान का दावा था कि पुलिस फायरिंग में 25 लोगों की मौत हुई थी।

### क्या है अल-कादिर ट्रस्ट केस

सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी। आरोप है कि यह पैसा एक सीक्रेट अकाउंट के जरिए इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के खाते में ट्रांसफर कराई गई। कुल मिलाकर यह घोटाला 60 अरब पाकिस्तानी रुपए का है।

इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी। बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले।

होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 60 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी। 13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए। 4 साल बाद भी इस यूनिवर्सिटी में 32 स्टूडेंट्स ही हैं।

## सोचते ही चलने लगा लकवाग्रस्त मरीज

# साइंटिस्ट ने दिमाग-रीढ़ की हड्डी के कनेक्शन को जोड़ने वाली डिवाइस बनाई, विचारों को एक्शन में बदलती है

**बर्न (स्विट्जरलैंड)।**

लकवाग्रस्त मरीज अब सोचते ही चल सकेंगे। कोई भी जरूरी काम कर सकेंगे। दरअसल साइंटिस्टों ने एक ऐसी डिवाइस बनाई, जो दिमाग-रीढ़ की हड्डी के कनेक्शन को जोड़ती है और विचारों को एक्शन में बदलती है। इसे वायरलेस डिजिटल ब्रिज नाम दिया गया है। स्विट्जरलैंड के लुसाने स्थित स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम ने इस इंटरफेस ब्रिज को तैयार किया है। यह टूट चुकी रीढ़ और दिमाग के बीच के कनेक्शन को फिर जोड़ देता है। ये इलेक्ट्रिक स्विच, टच स्क्रीन की तरह काम करता है, जिसमें संकेत मिलते ही एक्शन होता है। दरअसल दिमाग और रीढ़ के बीच का कनेक्शन जब टूट जाता है तो कोई भी अंग लकवाग्रस्त हो सकता है। इसका प्राकृतिक रूप से से दोबारा जुड़ना मुश्किल है, लेकिन अब यह खोज उन्हें अपने काम करने में मदद करेगी। इसे स्विट्जरलैंड की पब्लिक रिसर्च यूनिवर्सिटी ईपीएफएल ने तैयार किया है। ये डिजिटल ब्रिज एक ब्रेन-स्पाइन इंटरफेस होता है, जो दिमाग और रीढ़ की हड्डी के बीच खोए हुए कनेक्शन को रीस्टोर करने का काम करता है। आसान शब्दों में कहें तो ये वायरलेस डिजिटल ब्रिज डिवाइस लकवाग्रस्त अंग के मूवमेंट को कंट्रोल करने में मदद करता है। इस की मदद से 40 साल के गर्ट-जान ओस्कम, वॉकर के सहारे अपने पैरों पर खड़े हो सके और चल पाए। 2011 में नीदरलैंड के गर्ट-जान ओस्कम का एक्सीडेंट हो गया था। उस दौरान वो चीन में रहते थे। हादसे के बाद वो पैरालाइज्ड हो गए थे। उनके पैरों ने काम करना बंद कर दिया था। वो न तो चल पाते थे और न ही खड़े हो पाते थे। अब डिजिटल इम्प्लांट के जरिए वो अपने दिमाग से ही पैरों को शिफ्ट करने का काम कर सकते हैं। इएसपीएल के न्यूरोसाइंस के प्रोफेसर ग्रेगोइरे कोर्टाइन ने बताया, हमने दिमाग और रीढ़ की हड्डी के बीच एक वायरलेस इंटरफेस बनाने के लिए ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस तकनीक का इस्तेमाल किया। ये तकनीक दिमाग के थॉट को एक्शन में बदल देती है।

# नाटो प्लस का हिस्सा बने भारत, अमेरिकी समिति की बाइडन सरकार से मांग- चीन को टक्कर देने के लिए यह जरूरी

**वाशिंगटन।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं। इस बीच, अमेरिका की एक कांग्रेस समिति ने बाइडन सरकार से भारत को नाटो प्लस का हिस्सा बनाने की सिफारिश की है। समिति का कहना है कि भारत के शामिल होने से नाटो प्लस को मजबूती मिलेगी। बता दें, नाटो प्लस एक सुरक्षा व्यवस्था है, जो वैश्विक रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। इसमें पांच देशों के बीच गठबंधन है। ये देश ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इजरायल और दक्षिण कोरिया हैं।

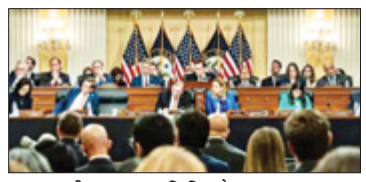

**छठा सदस्य बनाने की सिफारिश** – बताया जा रहा है कि अगर नाटो प्लस का छठा हिस्सा भारत को बनाया जाता है, तो इन देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने में सुविधा होगी। साथ ही अगर भारत को नाटो प्लस में शामिल किया जाता है तो देश को अमेरिका के साथ रक्षा-सुरक्षा से आसानी से जोड़ा जा सकेगा।

**ताइवान की सुरक्षा के लिए जरूरी** – संयुक्त राज्य अमेरिका और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के बीच सामरिक प्रतिस्पर्धा पर सदन की चयन समिति के अध्यक्ष माइक गैलाघेर और रैंकिंग सदस्य राजा कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में, नाटो प्लस को मजबूत बनाने के लिए भारत को शामिल करने सहित ताइवान की क्षमता को बढ़ाने के लिए एक नीति प्रस्ताव को रखा गया। सदन की चयन समिति ने सिफारिश करते हुए कहा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जीतना और ताइवान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका को भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की जरूरत है।

**इसलिए समिति का नाम** – समिति ने कहा कि अगर नाटो प्लस का हिस्सा भारत को बनाया जाता है तो वैश्विक सुरक्षा को मजबूत मिलने के साथ ही भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता को रोकने के लिए अमेरिका और भारत की करीबी साझेदारी बढ़ेगी।

# जंग का खर्चा निकालने रूस बेचेगा जेलेंस्की का पेंटहाउस, रूसी नेता बोले- ये हमारी संपत्ति, इससे दुश्मनों को फायदा नहीं होने देंगे

**क्रीमिया।**

रूस-यूक्रेन जंग पिछले 15 महीनों से जारी है। इस बीच रूस ने जेलेंस्की का हॉलिडे पेंटहाउस बेचने का फैसला किया है। उसने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के इस घर के साथ ही 57 प्रॉपर्टीज को सरकारी संपत्ति घोषित कर दिया है। जेलेंस्की का ये घर उनकी पत्नी ओलेना जेलेंस्का के नाम पर है। ये क्रीमिया में ब्लैक सी के तट पर बना हुआ है। क्रीमिया के स्पीकर व्लादिमीर कॉन्सटैंटिनोव ने कहा- हम इस घर को बेचने की सूचना जारी करेंगे। इससे मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल यूक्रेन में चल रहे स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन और जंग में मारे गए सैनिकों के परिवारों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। जेलेंस्की का पेंटहाउस बेचने पर रूसी नेता ने कहा कि क्रीमिया रूस का हिस्सा है। हम

यहां की संपत्ति से रूस के दुश्मनों को मुनाफा नहीं होने देंगे। रूस जंग के दौरान अपनी मिलिट्री पर 7 लाख करोड़ से ज्यादा रुपए खर्च कर चुका है। जेलेंस्की की पत्नी ने 2013 में खरीदा था पेंटहाउस, अब इसकी कीमत साढ़े 6 करोड़ राष्ट्रपति जेलेंस्की की पत्नी ओलेना जेलेंस्का ने 2013 में क्रिमिया के लिवादिया शहर में 3 कमरे का एक पेंटहाउस खरीदा था। तब इसकी कीमत करीब 1 करोड़ 35 लाख रुपए थी। इसके ठीक एक साल बाद 2014 में रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। जेलेंस्का कभी भी इस घर का इस्तेमाल नहीं कर पाईं क्योंकि इसमें अभी रेनोवेशन का काम बचा हुआ था। रूसी स्टेट मीडिया ने अब इस घर की कीमत करीब साढ़े 6 करोड़ रुपए बताई है। क्रीमिया में 65प्रतिशत लोग रूसी मूल के, जबकि 15प्रतिशत लोग यूक्रेनी यूक्रेन साल 1991 में आजाद हुआ था। क्रीमिया हमेशा से यूक्रेन का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक सोवियत नेता ने तोहफे के तौर पर इसे यूक्रेन को सौंपा था। क्रीमिया में 65 प्रतिशत लोग रूसी मूल के हैं, जबकि 15 फीसदी यूक्रेनी मूल के लोगों की है। साल 2010 में यूक्रेन ने रूस के साथ समझौता किया, जिसके तहत रूसी सेना के बेड़े को 25 साल तक क्रीमिया में रहने की इजाजत दी गई। इसके बदले रूस ने गैस की कीमतें 30 फीसदी कम कर दीं। मार्च 2014 में क्रीमिया में रूसी शासन के पक्ष में 96 प्रतिशत मतदान हुआ था।

## सूडान सिविल वॉर से रुक सकती है सॉफ्ट ड्रिंक्स सप्लाई

# यहां पैदा होने वाली खास गोंद पेप्सी-कोक के लिए जरूरी, मेडिकल इंडस्ट्री पर भी असर

**सूडान।**

15 अप्रैल से शुरू हुए सूडान के सिविल वॉर का असर बहुत जल्द सॉफ्ट ड्रिंक इंडस्ट्री समेत कई बड़ी मैन्युफेक्चरिंग यूनिट्स पर पड़ सकता है। इसकी वजह एक खास तरह की गोंद या गम है। इसे एकेसिया गम कहा जाता है।

कोक और पेप्सी जैसे सॉफ्ट ड्रिंक्स मेकर ने साफ कर दिया है कि अगर यह जंग नहीं रुकी तो 3 से 6 महीने में सप्लाई बंद हो सकती है। इसके अलावा ड्रग इंडस्ट्री पर भी इसका असर पड़ सकता है। दुनिया में इस्तेमाल होने वाला कुल अरेबिक गोंद का 66 प्रतिशत सूडान में ही पैदा होता है।

### जंग का असर इन चीजों पर

कोक और पेप्सी जैसे मल्टीनेशनल ब्रांड्स में सूडान और अफ्रीका के इस हिस्से में आने वाले कुछ देशों का गोंद इस्तेमाल होता है। अगर जंग इसी रफ्तार से जारी रहती है तो इसका असर इन ब्रांड्स की सप्लाई पर पड़ना तय है।

इस गम का इस्तेमाल सॉफ्ट ड्रिंक के फ्लेवर को बनाए रखने में होता है। इसके अलावा सॉफ्ट ड्रिंक्स के कलर और हर सिप के टेस्ट को बनाए रखने में भी इसका अहम रोल होता है। च्यूइंग गम और सॉफ्ट कैंडी में यही गोंद इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा वॉटरकलर पेंट्स, टाइल्स की शाइनिंग, प्रिंट मेकिंग, ग्लूज, कॉस्मेटिक्स, फार्मास्युटिकल्स, वाइन, शू पॉलिश क्रीम और कुछ रोजमर्रा के प्रोडक्ट्स में भी यही गम काम आता है।

सूडान की जीडीपी का 70 प्रतिशत इसी गम या गोंद से आता है। इससे भी बड़ी बात यह है कि यूएन की एक स्पेशल एक्सपर्ट टीम इस गोंद की पैदावार बढ़ाने के लिए कई साल से काम कर रही है। इतना ही नहीं इससे 20 प्रतिशत के करीब प्रोडक्शन बढ़ा भी है।

### इन देशों में पाया जाता है ये गम

सूडान में तो इस गोंद का उत्पादन होता ही है। इसके अलावा इसी जोन में आने वाले अफ्रीकी देशों मसलन- चाड, नाइजीरिया, सेनेगल और माली में भी इस नैचुरल गम के पेड़ पाए जाते हैं। इस एकेसिया गम के अलावा इसका एक और रूप भी सूडान के कोरडोफेन रीजन में पाया जाता है।

इस गोंद का नाम ही कोरडोफेन गम पड़ गया है।

दिक्कत यह है कि 15 अप्रैल को सूडान में सिविल वॉर शुरू होने के बाद इस गोंद की पैदावार तो पहले की तरह हो रही है, लेकिन दारफुर और खारतूम के रास्ते बंद हो चुके हैं, लिहाजा एक्सपोर्ट मुमकिन नहीं है। इस बिजनेस से जुड़े एक कारोबारी हमीदी कहते हैं- यह गोंद दूरदराज के रेगिस्तानी इलाके में होता है। वहां के लोगों से बड़े कारोबारी इसे खरीदते हैं और फिर इसे दुनिया के हर हिस्से में एक्सपोर्ट करते हैं। अब अगर कोई इसे शहरों तक लाने की कोशिश करता है तो उसकी जान भी जा सकती है। इस गोंद के पेड़ करीब 5 लाख स्कवायर किलोमीटर में फैले हैं।

### यूएन की वॉर्निंग

ट्रेड और डेवलपमेंट से जुड़े यूएन के एक एक्सपर्ट ने कहा- अगर जंग बंद नहीं हुई, हालात नहीं सुधरे तो यकीन मानिए कि दुनिया पर इसका जबरदस्त असर होगा। आखिर किसी न किसी तौर पर यह गोंद कई बेहद जरूरी चीजों को बनाने में इस्तेमाल होता है। इसलिए हम सभी पक्षों से अपील कर रहे हैं कि किसी तरह इस जंग को खत्म कराइए। उम्मीद है यह काम जल्द होगा।

### सूडान के लोग देश छोड़ रहे

लड़ाई के चलते इलाकों में पानी और बिजली की सप्लाई रुक गई है। लोगों को खाने के लिए भोजन भी नहीं मिल रहा है। इसके चलते करीब 20 हजार लोगों ने देश छोड़ दिया है। इनमें से ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। इन्होंने पड़ोसी देश चाड में शरण ली है।

### सूडान में हिंसा की वजह

सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच वर्चस्व की लड़ाई है। 2019 में सूडान के तत्कालीन राष्ट्रपति ओमर अल-बशीर को सत्ता से हटाने के लिए लोगों ने प्रदर्शन किया। अप्रैल 2019 में सेना ने राष्ट्रपति को हटाकर देश में तख्तापलट कर दिया, लेकिन इसके बाद लोग लोकतांत्रिक शासन और सरकार में अपनी भूमिका की मांग करने लगे।

इसके बाद सूडान में एक जॉइंट सरकार का गठन हुआ, जिसमें देश के नागरिक और मिलिट्री दोनों का रोल था। 2021 में यहां दोबारा तख्तापलट हुआ और सूडान में मिलिट्री रूल शुरू हो गया।

आर्मी चीफ जनरल अब्देल फतह अल-बुरहान देश के राष्ट्रपति और लीडर मोहम्मद हमदान डागालो उपराष्ट्रपति बन गए। इसके बाद से सेना के बीच संघर्ष जारी है।

सिविलियन रूल लागू करने की डील को लेकर मिलिट्री आमने-सामने हैं। सिविलियन रूल को 10 साल बाद लागू करना चाहती है, जबकि आर्मी का कहना है कि ये 2 साल में ही लागू हो जाना चाहिए।